[हमारे अतीत भाग -3 कक्षा -8]

7 देशी जनता को सभ्य बनाना राष्ट्र को शिक्षित करना

प्रशन 1. निम्नलिखित के जोड़े बनाएँ :

विलियम जोन्स =प्राचीन संस्कृतियों का सम्मान

रवीन्द्रनाथ टैगोर = प्राकृतिक परिवेश में शिक्षा

टॉमस मैकॉले =अंग्रेजी शिक्षा को प्रोत्साहन

पाठशालाएँ =गुरु

महात्मा गांधी =अंग्रेजी शिक्षा के विरुद्ध

प्रशन 2. निम्नलिखित में से सही या गलत बताएँ

उत्तर :(क) जेम्स मिल प्राच्यवादियों के घोर आलोचक थे। = (सही)

(ख) 1854 के शिक्षा संबंधी डिस्पैच में इस बात पर जोर दिया गया था कि भारत में उच्च शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी होना चाहिए।= (सही)

(ग) महात्मा गांधी मानते थे कि साक्षरता बढ़ाना ही शिक्षा का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य है।=(गलत)

(घ) रवीन्द्रनाथ टैगोर को लगता था कि बच्चों पर सख्त अनुशासन होना चाहिए।=(गलत)

प्रशन 3.विलियम जोन्स को भारतीय इतिहास,दर्शन और कानून का अध्ययन क्यों जरूरी दिखाई देता था

उत्तर : भारतीय इतिहास, दर्शन और कानून का अध्ययन:-

1. भारत को समझने के लिए प्राचीन काल में लिखे गए यहाँ के पवित्र और कानूनी ग्रंथों को खोजना व समझना जरूरी था।

2. हिन्दुओं और मुसलमानों के असली विचारों व कानूनों को इन्हीं रचनाओं के माध्यम से ही समझा जा सकता है।

3.विलियम जोन्स का मानना था कि इस कार्य से न केवल अंग्रेजों को भारतीय संस्कृति से सीखने में मदद मिलेगी बल्कि भारतीयों को भी अपनी विरासत को दोबारा अपनाने और अतीत के लुप्त वैभव को समझने में मदद मिलेगी।

प्रशन 4. जेम्स मिल और टॉमस मैकॉले ऐसा क्यों सोचते थे कि भारत में यूरोपिय शिक्षा अनिवार्य है

उत्तर : जेम्स मिल और मैकॉले की सोच:-

1. भारतीयों के विचारों को अंग्रेजी के अध्ययन से रूढ़िवादी विचारों वाले लोगों से अलग किया जा सकता है, क्योंकि वे अपनी भाषा में अधिक वैज्ञानिक व तकनीकी सफलताएँ प्राप्त नहीं कर सकते।

2. इनके अनुसार पूर्वी साहित्य अंगभीर और सतही तथा त्रुटियों से भरा हुआ व अवैज्ञानिक है।

3. इनके अनुसार अंग्रेजी के ज्ञान से भारतीयों को दुनिया की श्रेष्ठतम साहित्यिक कृतियों को पढ़ने का मौका मिलेगा। वे पश्चिमी विज्ञान और दर्शन के क्षेत्र में हुए विकास से अवगत हो पाएँगे।

प्रशन 5. महात्मा गांधी बच्चों को हस्तकलाएँ क्यों सिखाना चाहते थे

उत्तर : बच्चों को हस्तकाएँ सिखाना:-

1. पश्चिमी शिक्षा मौखिक ज्ञान के स्थान पर केवल पढ़ने और लिखने पर केंद्रित है उसमें पाठयपुस्तकों पर जोर दिया जाता है और जीवन अनुभवों तथा व्यावहारिक ज्ञान की उपेक्षा की जाती है।

2. गांधी जी का तर्क था कि शिक्षा से व्यक्ति का दिमाग और आत्मा विकसित होनी चाहिए। केवल साक्षरता यानी पढ़ने और लिखने की क्षमता पा लेना ही शिक्षा नहीं होती।

3. दिमाग और आत्मा विकसित करने के लिए हाथ से काम करना पड़ता है, हुनर सीखने पड़ते हैं और यह जानना पड़ता है कि विभिन्न चीजें किस तरह काम करती हैं।

6 महात्मा गांधी ऐसा क्यों सोचते थे कि अंग्रजी शिक्षा ने भारतीयों को गुलाम बना लिया?है

उत्तर : भारतीयों को गुलाम बनाना:-

1. औपनिवेशिक शिक्षा ने भारतीयों के मस्तिष्क में हीनता का भाव पैदा कर दिया है। यहाँ के लोग पश्चिमी सभ्यता को श्रेष्ठतर मानने लगे हैं। अपनी संस्कृति के प्रति उनका गौरव भाव नष्ट हो गया है। 2. पश्चिमी शिक्षा में विष भरा है, यह पापपूर्ण है, इसने भारतीयों को दास बना दिया है, इसने लोगों पर बुरा प्रभाव डाला है।

3. पश्चिमी शिक्षा ग्रहण करने वाले भारतीय ब्रिटिश शासन को पसंद करते हैं तथा पश्चिमी से आने वाली हर चीज की प्रशंसा करते हैं। हैं

4. विदेशी भाषा बोलने वाले, स्थानीय संस्कृति से घृणा करने वाले भारतीय अपनी जनता से जुड़ने के तौर तरीके भूल चुके हैं।

Notes prepared by Lekhram Chaudhary & Tejpal Sharma [Team GUPS 7DPN – Bhadra]

डाउनलोड करें दुसरे विषयों के नोट्स पीडीऍफ़ में Click Here